Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Sarvagna Kathit Param Samayik Dharm

Folder No.	003696
Granth Name	Sarvagna Kathit Param Samayik Dharm
Author	Kalapurnasuri
Publisher	Prakrit Bharti Academy
Edition	1
Year	1986
Pages	194

सर्वज्ञ कथित परम सामायिक धर्म

फोल्डर नं.	००३६९६
ग्रन्थ	सर्वज्ञ कथित परम सामायिक धर्म
लेखक	कलापूर्णसूरि
प्रकाशक	प्राकृत भारती एकेडमी
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९८६
पृष्ठ	१९४

मुख्य टाइटल
प्रकाशक के बोल
आमुख
योगाधिराज सामायिक धर्म
क्याँ-कहाँ
विभाग-१
- सामायिक का महत्त्व ---------- १
- सामायिक का स्वरूप ---------- ६
- सामायिक प्राप्ति का पूर्वाभ्यास ---------- १२
- सामायिक की विशालता ---------- १७
- सामायिक का विषय ---------- ४१
- सामायिक की स्थिति ---------- ४८
- सामायिक की व्यक्ति की संख्या आदि द्वार ---------- ५१
- निरुक्तिद्वार ---------- ६१
- सामायिक सूत्र एवं रहस्यार्थ ---------- ६६

विभाग-२ सामायिक सूत्र ---------- ७१
विभाग-३ परिशिष्ट
- समापत्ति एवं सामायिक ---------- १२७
- समापत्ति एवं समाधि ---------- १३३
- समापत्ति एवं गुणश्रेणी ---------- १४८

Jain Educationa International For Personal and Private Use Only www.jainelibrary.org

Jain Educationa International For Personal and Private Use Only www.jainelibrary.org